

आ गई- मैया ^{sss} नजर भर हेरो
जीवन तर है ^{sss} तेरो ॥२॥

रूप सलौनो लेखें आई
संगे खुशियाँ लाखों लाई
मन भीतर से ^{sss} टेरो -- आ गई मैया.....

हम हैं भिखारी- तेरी दया के
नहीं हैं पुजारी हम कोई माया के
का घट जेहे ^{sss} मेरो -- आ गई मैया....

जग को दिया मैया- तुम बड़ी दाता
तुम हो मैया मेरी- भाग विधाता
मोहे ममता ने ^{sss} चेरो -- आ गई मैया....

जो तन तेरो- काम न आहे
समय चूक फिर- का पहुँताहे
जनम्- जनम् को ^{sss} फेरो -- आ गई मैया....

कहत "श्री बाबा श्री" सुनो सब साथी
जल हो जैसे- दिया संग बाली
पाप गठरिया दोरो -- आ गई मैया....